

डॉ. केविन ई. फ्रेडरिक, वाल्डेन्सियन, व्याख्यान 9, आत्मा, प्लेग और ह्यूगनॉट्स द्वारा प्रेरित

© 2024 केविन फ्रेडरिक और टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. केविन फ्रेडरिक वाल्डेन्सियन के इतिहास पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 9 है, आत्मा द्वारा प्रेरित, प्लेग और ह्यूगनॉट्स।

आज सुबह का यह उपदेश आत्मा द्वारा प्रेरित कहलाता है।

उपदेश के लिए हमारा पवित्रशास्त्र पाठ 2 पतरस 1, पद 16 से 21 है। क्योंकि जब हमने तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ्य और आगमन का समाचार दिया, तो हम चतुराई से गढ़ी हुई कहानियों का अनुसरण नहीं कर रहे थे, बल्कि हम उनके महात्म्य के प्रत्यक्षदर्शी थे। क्योंकि जब महात्म्य में से यह वाणी उसके पास पहुंची, कि यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस से मैं प्रसन्न हूं, तब उसने परमेश्वर पिता से आदर और महिमा पाई।

हमने स्वर्ग से यह आवाज़ सुनी जब हम पवित्र पर्वत पर उसके साथ थे। इसलिए, हमारे पास भविष्यवाणी संदेश पूरी तरह से पुष्ट है। आप इस पर ध्यान देने में अच्छे होंगे जैसे कि एक दीपक अंधेरे स्थान में चमकता है जब तक कि दिन नहीं निकलता और सुबह का तारा आपके दिलों में नहीं उगता।

सबसे पहले, आपको यह समझना चाहिए कि शास्त्र की कोई भी भविष्यवाणी किसी की अपनी व्याख्या का विषय नहीं है क्योंकि कोई भी भविष्यवाणी कभी भी मानवीय इच्छा से नहीं आई, बल्कि पवित्र आत्मा द्वारा प्रेरित पुरुष और महिलाएँ परमेश्वर की ओर से बोलीं। यह प्रभु का वचन है। परमेश्वर का धन्यवाद हो।

कोटियन आल्प्स में वाल्डेन्सियन समुदाय की मुक्ति का आदेश ड्यूक ऑफ सेवॉय, जिन्हें सार्डिनिया का राजा भी कहा जाता है, कार्लोस अल्बर्टो ने 17 फरवरी, 1848 को जारी किया था। इस आदेश ने वाल्डेन्सियनों को लगभग 700 वर्षों के राजनीतिक, धार्मिक और आर्थिक उत्पीड़न से धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान की, साथ ही विनाश, यातना और मृत्यु के कई अभियान भी चलाए। 13वीं शताब्दी की शुरुआत से लेकर 19वीं शताब्दी के मध्य तक, वाल्डेन्सियनों के खिलाफ़ 33 अलग-अलग उत्पीड़न अभियान चलाए गए, या तो रोमन कैथोलिक चर्च, फ्रांसीसी राजा या ड्यूक ऑफ़ सेवॉय द्वारा।

विभिन्न अवसरों पर, इन तीनों शक्तियों ने वाल्डेन्सियन समुदायों के अस्तित्व को पूरी तरह से नष्ट करने या नष्ट करने तथा फ्रांस और इटली में हर एक वाल्डेन्सियन विश्वासी को नष्ट करने के लिए मिलकर काम किया। एक आस्था समुदाय के रूप में उनका जीवित रहना और धीरज की जीत ही वह है जिसे हम आज विश्वास की शक्ति के साक्षी के रूप में जीते हैं। हम अपने लोगों के ईश्वर के वचन के प्रति उनके दृढ़ समर्पण और पूरे मध्य यूरोप में ईसा मसीह के सुसमाचार के प्रसार का जश्न मनाते हैं, जो कि सुधार की कल्पना से बहुत पहले ही शुरू हो गया था।

इस दिन की तैयारी में, मैंने वाल्डेन्सियन और हुगुएनोट्स दोनों के बारे में विस्तार से पढ़ा है। आप हमारे बुलेटिन के मुखपृष्ठ पर हुगुएनोट क्रॉस को देखेंगे। कई महीने पहले, मैंने पूछना शुरू किया कि वाल्डेन्सियन और हुगुएनोट लोगों के बीच क्या संबंध है, और हुगुएनोट क्रॉस वाल्डेन्सियन लोगों का अपनाया हुआ प्रतीक क्यों था। इसका कोई आसान जवाब नहीं है, न ही इस सवाल को कभी सीधे संबोधित किया जाता है।

हालाँकि, वाल्डेन्सियन के इतिहास और हुगुएनोट्स के साथ उनके सीधे संबंधों का अवलोकन हमें इस प्रश्न का उत्तर प्रदान करेगा। मैंने कई कारणों से कुछ ही समय पहले पढ़े गए 1 पतरस के पाठ के साथ उत्तरों को बुनना चुना है। यह पत्र प्रेरित पतरस द्वारा लिखा गया था और सुसमाचार के झूठे शिक्षक होने के कारण उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों को संबोधित करता है।

बारहवीं शताब्दी में परमेश्वर के वचन को जानने और उसका प्रचार करने के अपने विश्वास के कारण वाल्डेन्सियनों पर रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा विधर्मी होने का आरोप लगाया गया था। पतरस जिस बात की ओर संकेत करता है, वह घटनाओं की उसकी अपनी व्याख्या नहीं है, बल्कि पहाड़ की चोटी पर यीशु मसीह के रूपांतरण में प्रकट हुई परमेश्वर की महिमा है। वाल्डेन्सियनों ने रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा इस जोर की पुष्टि करने से बहुत पहले ही शास्त्र के केंद्रीय जोर के रूप में मसीह की प्रबुद्ध छवि पर ध्यान केंद्रित किया था, और वे मसीह को चर्च के एकमात्र प्रमुख के रूप में पहचानने में बहुत स्पष्ट थे।

इसके अलावा, वे कोटियन आल्प्स के पहाड़ी लोग थे, और पहाड़ों और उन पहाड़ों में छिपना और उनसे लड़ना उनके जीवित रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। यहाँ, इस पत्र में, पतरस इस पाठ की प्रासंगिकता और अपने जीवन में अधिकार की घटना पर विचार करता है। इस पाठ में पतरस जिस तर्क पर विचार करता है या निर्माण करता है और इंगित करता है वह यह है कि झूठे शिक्षक दावा करते हैं कि वे बाइबिल की भविष्यवाणी की व्याख्या कर सकते हैं, जबकि सच्चे शिक्षक और मसीह के अनुयायी अपने स्वयं के शब्द नहीं बोलते हैं, बल्कि केवल परमेश्वर के वचन की घोषणा पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

यह बिल्कुल वैलेंसियन बारबा का ध्यान केंद्रित है, जिन्होंने पूरे मध्ययुगीन यूरोप में जोड़ों में प्रचार किया। पीटर ने अंधरे स्थान में चमकते हुए दीपक के रूपक का उपयोग करके उद्घोषणा पर इस ध्यान को जोर दिया, जब तक कि वह कहता है, एक दिन नहीं निकलता और सुबह का तारा आपके दिलों में उगता है। यह किसी भी वैलेंसियन को परिचित लगता है जो सदियों पुराने आदर्श वाक्य, लक्स ल्यूसेट इन टेनेब्रिस को जानता है, जहां प्रकाश अंधरे में चमकता है।

यह अंश हमें वाल्डेन्सियन के इतिहास का पता लगाने के लिए एक आदर्श रूपरेखा प्रदान करता है। वाल्डेन्सियन के अस्तित्व के पहले दशकों में उनके इतिहास की समीक्षा से पता चलता है कि रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा वाल्डेन्सियन को शुरू में सताने का मुख्य कारण मुख्य रूप से यह था कि वे सुसमाचार के पूरे खंडों को याद कर रहे थे और चर्च द्वारा किसी भी आधिकारिक मंजूरी के बिना सड़कों पर परमेश्वर के वचन का प्रचार कर रहे थे। वे दो-दो की टोलियों में यात्रा कर रहे थे और पूरे यूरोप में लोगों को सुसमाचार सुना रहे थे।

और सौ साल से भी कम समय में, यूरोप में 800,000 से ज़्यादा ईसाई थे जो खुद को वाल्डेन्सियन कहते थे। दक्षिण-मध्य फ्रांस से लेकर उत्तरी इटली से लेकर जर्मनी और मध्य यूरोप के कुछ हिस्सों तक, वाल्डेन्सियन प्रभाव व्यापक और बहुत आकर्षक था। फ्रांस में वाल्डेन्सियन के मिशनरी प्रभाव ने प्रोवेंस, लैंगडॉक, डौफिन, लियोनिस और एवरनेस में अपने व्यापक प्रभाव का विस्तार किया।

14वीं और 15वीं शताब्दी तक, रोमन कैथोलिक चर्च की प्रतिक्रिया कठोर हो गई थी, और वाल्डेन्सियन धर्म को नष्ट करने के लिए कई प्रयास शुरू किए गए थे। रोमन चर्च के अधिकार को अस्वीकार करने के कारण इसे विधर्मी करार दिया गया, और इसके अनुयायियों को खोजकर उनका पीछा किया गया और उन्हें अपने धर्म को त्यागकर रोमन चर्च में वापस लौटने या मृत्युदंड का सामना करने के लिए मजबूर किया गया। 15वीं शताब्दी और 16वीं शताब्दी में कई फ्रांसीसी राजाओं ने चर्च के असहिष्णु रुख को लागू किया और खुले तौर पर फ्रांसीसी वाल्डेन्सियन को नष्ट करने की कोशिश की।

प्रोटेस्टेंट सुधार के बाद के दशकों में, कोटियन आल्प्स के फ्रांसीसी पक्ष को छोड़कर सभी में वाल्डेन्सियन चर्च का प्रभाव कम हो गया। लेकिन मध्य और दक्षिणी फ्रांस के अधिकांश हिस्सों में, सुधारवादी धार्मिक सोच के बीज सुप्त अवस्था में थे, लेकिन फिर से उगने के लिए तैयार थे। जॉन कैल्विन और जिनेवा और पूरे स्विटजरलैंड में शुरू किए गए सुधारवादी चर्च आंदोलन के प्रभाव के साथ, फ्रांसीसी कैल्विनिस्टों की स्थापना के साथ फ्रांस के अधिकांश हिस्सों में इसका प्रभाव फैल गया, जिन्हें हुगुएनोट्स के रूप में जाना जाता था।

1559 में, फ्रांस में 70 ह्यूगनॉट चर्च थे, और मात्र तीन साल बाद, 2,000 मण्डली हो गईं। चूंकि सुधारवादी आंदोलन और वाल्डेन्सियन चर्च के विश्वास और धर्मशास्त्र में समानताएँ बहुत समान थीं, इसलिए अधिकांश वाल्डेन्सियन जो दशकों पहले राजा की सेना द्वारा उत्पीड़न के दौरान फ्रांस में भूमिगत हो गए थे, अब ह्यूगनॉट्स के रूप में उभरे। 1670 के दशक की शुरुआत तक, फ्रांस में दो मिलियन से अधिक ह्यूगनॉट्स थे, और उनका प्रभाव शाही शक्ति और अधिकार के लिए एक गंभीर खतरा था।

वाल्डेन्सियन और हुगुएनोट्स के बीच कई समानताएँ हैं, और साथ ही ध्यान देने योग्य कई अंतर भी हैं। दोनों परंपराओं की धार्मिक मान्यताओं में कई समानताएँ थीं। वास्तव में, चूंकि 12वीं शताब्दी में एक वाल्डेन्सियन पंथ कथन मौजूद था, इसलिए सुधार में निर्मित कई प्रमुख धार्मिक बिंदु और अभ्यास पहले से मौजूद वाल्डेन्सियन आंदोलन के साथ समानता रखते हैं, जिसमें धर्मग्रंथों का अधिकार, दो संस्कार, चर्च के प्रमुख के रूप में यीशु मसीह का आधिपत्य, जीवन की सादगी और यीशु के शिष्यों और उनकी शिक्षाओं के बीच संबंधों से प्राप्त भक्ति शामिल है।

वाल्डेन्सियन पादरियों ने आस्था के समुदाय में एक प्रमुख भूमिका निभाई, और यही बात ह्यूगनॉट पादरियों के लिए भी सच थी। दोनों समूहों ने फ्रेंच में अनुवादित बाइबिल का उपयोग किया, जिसे सुधार के समय वाल्डेन्सियन द्वारा अधिकृत किया गया था, और जॉन कैल्विन के चचेरे भाई रॉबर्ट ओलिवेटन द्वारा लिखा गया था। दोनों समूहों ने सभी विश्वासियों के पुरोहितत्व पर

जोर दिया और अपने बच्चों को पढ़ना और लिखना सिखाया ताकि वे स्वयं बाइबिल का अध्ययन कर सकें।

हालांकि, दोनों समूहों के बीच कुछ महत्वपूर्ण अंतर थे। ह्यूगनॉट्स ने फ्रांस में रोमन कैथोलिक चर्च से दूर कई कुलीन लोगों और मध्यम वर्ग को आकर्षित किया, जबकि कोटियन आल्प्स की निर्वाह कृषि अर्थव्यवस्था का मतलब था कि हालांकि अधिकांश वाल्डेन्सियन पढ़ और लिख सकते थे, लेकिन उनके पास धन तक बहुत कम पहुंच थी। वास्तव में, उनकी मातृभूमि को एक आर्थिक यहूदी बस्ती के रूप में संदर्भित किया गया था।

वाल्डेन्सियन अपने शासन में प्रेस्बिटेरियन प्रकार की कनेक्शनल सरकार के साथ संरचित थे, जो हर साल धर्मसभा की बैठकों के लिए इकट्ठा होते थे जिसमें प्रत्येक चर्च का प्रतिनिधित्व पादरी और एल्डर्स द्वारा किया जाता था। ह्यूगनॉट चर्च अपने अधिकार के आधार पर अधिक सामूहिक थे, और हालांकि ह्यूगनॉट चर्च धर्मसभा हर तीसरे वर्ष मिलती थी, लेकिन अधिकांश निर्णय प्रत्येक स्वायत्त चर्च द्वारा स्थानीय रूप से किए जाते थे। रोमन कैथोलिक विश्वास राजशाही के रूप में, 16वीं और 17वीं शताब्दी के मध्य से लेकर अंत तक के अधिकांश फ्रांसीसी राजाओं ने ह्यूगनॉट चर्च को राजशाही और चर्च के लिए एक प्रमुख धार्मिक और आर्थिक खतरे के रूप में देखा।

जैसा कि वाल्डेन्सियन समुदायों को सुधार से बहुत पहले उत्पीड़न और विनाश के लिए लक्षित किया गया था, इस समय के दौरान फ्रांसीसी हुगुएनोट चर्च को अक्सर फ्रांस के राजाओं द्वारा विनाश के लिए लक्षित किया गया था। 1572 में, सेंट बार्थोलोम्यू डे नरसंहार के रूप में जानी जाने वाली घटना ने दो मिलियन फ्रांसीसी हुगुएनोट्स के खिलाफ हिंसा की लहर शुरू कर दी। इसके परिणामस्वरूप हजारों लोग मारे गए और या तो कैथोलिक धर्म अपनाने या मौत की सजा भुगतने का आदेश दिया गया।

बाद में, 16वीं शताब्दी के अंत में फ्रांस के राजा के रूप में हेनरी चतुर्थ के सिंहासनारूढ़ होने के साथ, जो राजा बनने से पहले खुद एक हुगुएनोट थे, हुगुएनोट्स ने एक ऐसे दौर में प्रवेश किया जब उन्हें सहन किया गया। हालांकि, हेनरी चतुर्थ की हत्या के बाद और 1620 से 1640 के दशक में कार्डिनल रिचेल्यू के उदय के बाद, फ्रांस के हुगुएनोट्स के खिलाफ प्रतिबंधों ने कोटियन आल्प्स को आक्रमण के एक मार्ग के रूप में देखा। माफ़ करें।

मुझे वहाँ वापस जाना चाहिए। इस समय सीमा के दौरान, फ्रांस के राजा लुई XII ने इटली के अल्पाइन और पीडमोंट क्षेत्रों को अपने नियंत्रण में शामिल करने के लिए फ्रांसीसी साम्राज्य का विस्तार करने के साधन के रूप में कोटियन आल्प्स को आक्रमण के एक मार्ग के रूप में देखा। उन्होंने इटली की सेसेना घाटी में हजारों सैनिकों को भेजा और उन्होंने पिनेरोलो और वाल्डेन्सियन घाटियों पर कब्जा कर लिया, जिससे वहाँ के निवासियों को सैनिकों को रखने की आवश्यकता हुई।

लेकिन सेना के साथ चूहे और बुबोनिक प्लेग भी आ गए, और इसने घाटियों में रहने वाली वाल्डेन्सियन आबादी के आधे से ज़्यादा लोगों को तबाह कर दिया, जिसमें सोलह वाल्डेन्सियन

मंत्रियों में से चौदह भी शामिल थे। यह 1630 के दशक में हुआ। वाल्डेन्सियन 1532 में चैनफ़ोरन में सुधार में शामिल हो गए।

उन्होंने जिनेवा में प्रशिक्षित मंत्रियों के एक समूह के साथ शुरुआत की और अगली आधी सदी में घाटियों में आबादी से वाल्डेन्सियन मंत्रियों की भर्ती की और उन्हें बनाए रखा। प्लेग की शुरुआत तक, पूजा के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली भाषा इतालवी या पटोई थी। लेकिन प्लेग के समय सेमिनरी-प्रशिक्षित पादरियों में से दो को छोड़कर सभी के अचानक चले जाने के बाद, जिनेवा और फ्रेंच हुगुएनोट्स के अलावा नए मंत्रियों के लिए कोई और विकल्प नहीं बचा था।

जिनेवा द्वारा बारह नए पादरी उपलब्ध कराए गए, जिन्होंने उनका मार्गदर्शन करने के लिए हुगुएनोट्स को भेजा, धर्मोपदेश और पूजा सेवा के दौरान बोली जाने वाली भाषा फ्रेंच थी। 1630 के बाद से, पूजा सेवा फ्रेंच में संप्रेषित की गई, जिसने एक परंपरा स्थापित की जो 19वीं शताब्दी तक घाटियों में जारी रही। दिलचस्प बात यह है कि इस मण्डली में धर्मोपदेश 1920 के दशक तक नियमित रूप से फ्रेंच में दिए जाते थे।

प्रेस्कॉट स्टीवंस ने अपनी पुस्तक द वाल्डेन्सियन स्टोरी में लिखा है कि आज भी घाटियों में उपदेश इतालवी भाषा में दिए जाते हैं और भजन फ्रेंच भाषा में गाए जाते हैं। 1848 के मुक्ति के महत्वपूर्ण परिणामों में से एक वाल्डेन्सियन चर्चों द्वारा अपने आस-पास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सुसमाचार सुनाने का निर्णय था। अब, कई वर्षों से इटली में रहने के बाद, मुझे पता है कि उनके पास एक नया भजन संग्रह है और वे सभी इतालवी भाषा में गा रहे हैं।

घाटियों के बाहर उनकी पहली नई मण्डली ट्यूरिन में थी, और पादरी इस बात पर सहमत थे कि उन्हें लोगों की भाषा में प्रचार करने की ज़रूरत है, जो गैर-वाल्डेन्सियन के लिए इतालवी थी। उस समय से, चर्च ने प्रचार करने के लिए इतालवी भाषा सीखने के लिए टस्कनी में पादरी भेजना शुरू कर दिया, लेकिन यह एक बड़ी चुनौती साबित हुई। यही कारण है कि इटली में कई वाल्डेन्सियन चर्चों में उपदेश फ्रेंच के बजाय इतालवी में बोले जाते हैं।

आपने देखा होगा कि इस पवित्र स्थान में कोई पारंपरिक क्रॉस नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वाल्डेन्सियन समुदायों में चर्च की इमारतों की स्थापना से लेकर, रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा पूजा में इस्तेमाल किए जाने वाले किसी भी प्रतीकवाद को वाल्डेन्सियन द्वारा दिखावटी प्रदर्शन और सुसमाचार के संदेश को विचलित करने वाला मानकर बाहरी तौर पर खारिज कर दिया गया था। हुगुएनोट क्रॉस को हुगुएनोट पादरियों के नेतृत्व में प्लेग के बाद के समय से वाल्डेन्सियन द्वारा पुनरुत्थान के एकमात्र वैध प्रतीक के रूप में अपनाया गया था।

वास्तव में, सैकड़ों वर्षों तक, वाल्डेन्सियन महिलाओं द्वारा विवाह बैंड के अलावा पहनने की अनुमति दी जाने वाली एकमात्र आभूषण, हुगुएनोट क्रॉस थी। फ्रांस में कई लोगों द्वारा सूर्य राजा कहे जाने वाले लुई XIV के शासनकाल का आगमन, हुगुएनोट्स और वाल्डेन्सियन दोनों के लिए बहुत अंधकार की अवधि का आगमन था। 1685 में, हुगुएनोट्स के प्रति धार्मिक सहिष्णुता के सभी विशेषाधिकारों को रद्द कर दिया गया, और हुगुएनोट्स के खिलाफ़ विनाश का एक विशाल अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप सैकड़ों चर्चों का विनाश हुआ, कई दसियों हज़ार

हुगुएनोट्स की मृत्यु हुई, और सैकड़ों हज़ारों फ्रांसीसी हुगुएनोट्स को पूरे यूरोप और अमेरिका के कई देशों में निर्वासित कर दिया गया।

सिर्फ़ दो साल बाद, राजा ने अपना ध्यान वाल्डेंसियन घाटी पर केंद्रित किया, ताकि वाल्डेंसियन प्रभाव को हमेशा के लिए खत्म किया जा सके। इसके परिणामस्वरूप घाटियों में सैकड़ों वाल्डेंसियन मारे गए, चर्च, स्कूल और घर जला दिए गए और हेनरी अर्नाल्ट के नेतृत्व में लगभग 3,000 बचे हुए वाल्डेंसियन को जिनेवा निर्वासित कर दिया गया। जिनेवा में रहते हुए, अर्नाल्ट और उसके कई पुरुष अनुयायियों ने हुगुएनोट्स के साथ मिलकर 1689 में कोटियान आल्प्स में जवाबी हमले की तैयारी की, जिसे ग्लोरियस रिटर्न कहा गया।

इन दिनों के दौरान वाल्डेंसियन और हुगुएनोट्स की दृढ़ता के परिणामस्वरूप घाटियों में बसने वालों का एक अवशेष वापस आ गया, जो इस कमरे में मौजूद हर एक वाल्डेंसियन के पूर्वज बन गए और जो इस चर्च में पले-बढ़े। फिर से, पतरस के पत्र में, वह स्वयं, पत्र का लेखक, जिसे हमने अभी पढ़ा, और हमारे प्रभु यीशु मसीह का दाहिना हाथ सत्य के शब्द लिखता है जो हर वाल्डेंसियन के दिलों को छू जाता है। इसलिए, हमारे पास यह भविष्यवाणी संदेश और अधिक पूरी तरह से पुष्ट है।

आपको इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि यह एक ऐसा दीपक है जो अंधेरे में चमकता रहता है जब तक कि दिन नहीं निकलता और सुबह का तारा आपके दिलों में नहीं उगता। वाल्डेंसियन और ह्यूगनॉट्स जानते हैं, जैसा कि पीटर खुद जानते थे, कि परमेश्वर का वचन, उस वचन के प्रति हमारी गवाही के साथ, इस दुनिया के अंधेरे स्थानों में चमकने वाली रोशनी है। और यह एक दृढ़ विश्वास और गवाही थी जो सत्य और हमारे आध्यात्मिक पूर्वजों के खून के बहाने पर आधारित थी, जिन्होंने खुद भी मजबूत उत्पीड़न के बावजूद आशा के जीवित गवाह के रूप में काम किया, जिसे हम इस दिन उत्सव और प्रशंसा में मनाते हैं।

और उनकी तरह, हम खुद से और अपनी परीक्षाओं से परे इशारा करते हैं, जो मसीह के दूसरे आगमन की तुलना में फीके हैं, जो हमारे दिलों में उगता हुआ सुबह का तारा है। इसलिए, हम सुधार के समय मार्टिन लूथर के शब्दों को याद करते हैं, जिन्होंने कहा था कि हम सभी बिना जाने ही वाल्डेंसियन थे। पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर।

आमीन। यह डॉ. केविन फ्रेडरिक वाल्डेंसियन के इतिहास पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र संख्या नौ है, आत्मा, प्लेग और ह्यूगनॉट्स द्वारा प्रेरित।